भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 152
उत्तर देने की तारीख 01.12.2025

मणिपुरी (मैइतीलॉन) को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता

152. डॉ. अंगोमचा बिमोल अकोइजम :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मणिपुरी भाषा इंडो-मंगोलॉयड समूह के तिब्बती-बर्मी भाषाई परिवार से संबंधित है और इसे भारत की सबसे प्राचीन और उन्नत भाषाओं में से एक माना जाता है, जिसका उल्लेख प्रख्यात भाषाविद् और संविधान सभा सदस्य डॉ. सुनीति कुमार चटर्जी ने भी किया है। सरकार द्वारा मणिपुरी (मैइतीलॉन) को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए/उठाए जा रहे या प्रस्तावित कदमों का ब्यौरा क्या है; और

(ख) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): संस्कृति मंत्रालय, किसी भी भाषा को भारत की प्राचीन भाषा के रूप में मान्यता प्रदान करने के लिए राज्य सरकारों से प्राप्त अपेक्षित प्रामाणिक दस्तावेजों सहित विस्तृत प्रस्तावों की जांच करता है। इस संबंध में अभी तक मणिपुर सरकार से कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

*****